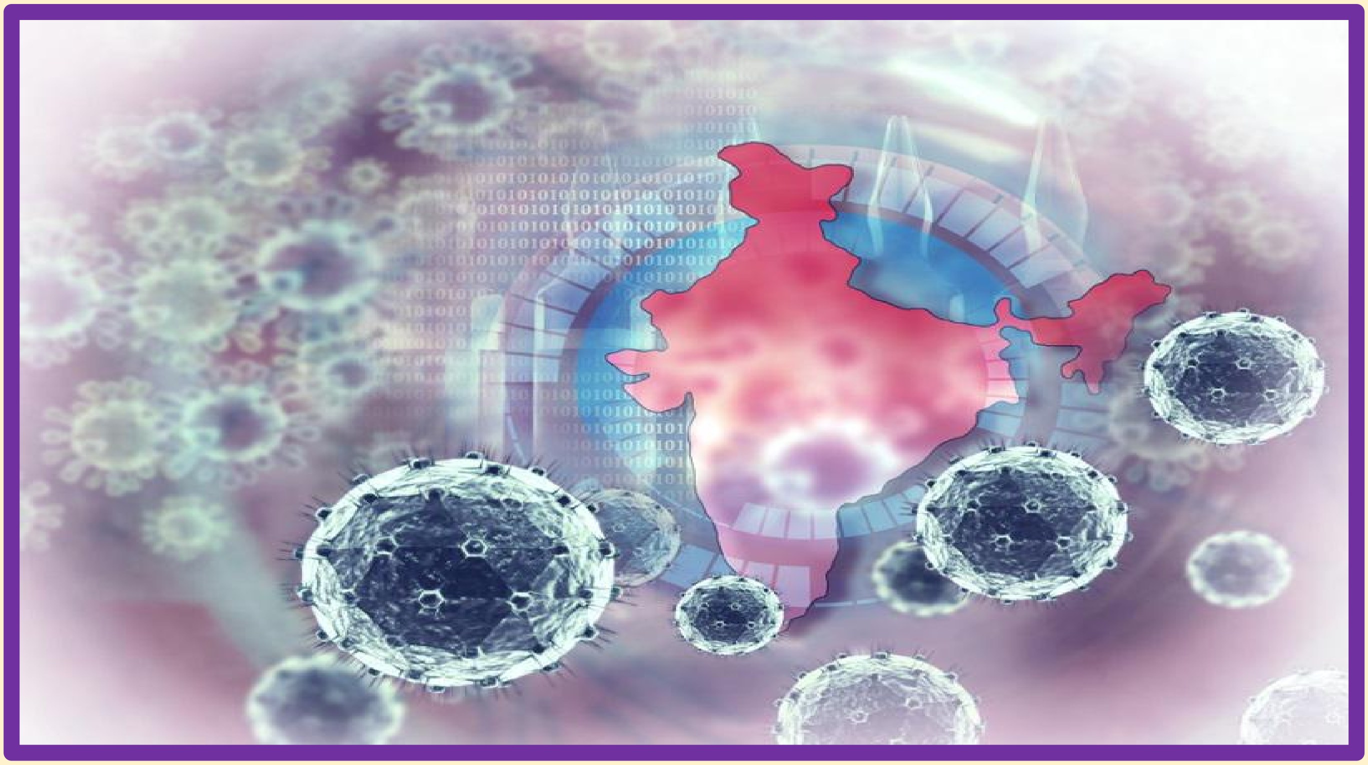

INTERNATIONAL WEBINAR

Jointly Organized By

Department of Sociology & Department of Economics

"Socio-Economic Impact of Covid 19 -Life Ahead In India"

06/06/2020

GOVT. D. B. GIRLS P.G. AUTONOMOUS COLLEGE,

RAIPUR, CHHATTISGARH

Webinar Brochure

Organizing Committee

Patron-

Dr. J.N. Verma, Principal,

Govt. D.B. Girls P.G. (Autonomous) College, Raipur (C.G.)

Convener-

Dr. Shradhda Girolkar, H.O.D.- Sociology

Organizing Secretary-

Dr. Preeti Shrama, Professor– Sociology

Co-Conveners-

Dr. Maneesha Mahapatra, Professor- Sociology

Dr. Preeti Kansara, H.O.D. -Economics

Dr. Dinesh K. Masta, Asstt. Professor– Economics

Dr. Anita Dikshit, Asstt. Professor– Economics

Dr. Bhupendra Kumar Sen, Asstt. Professor– Chemistry

S

REGISTRATION PROCESS

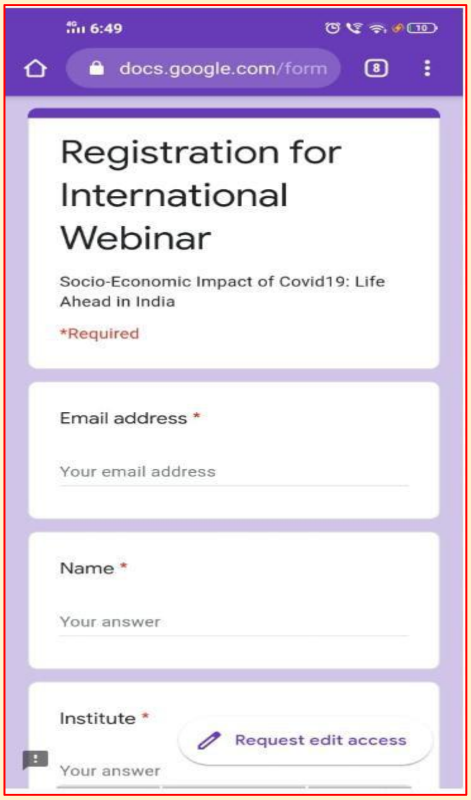

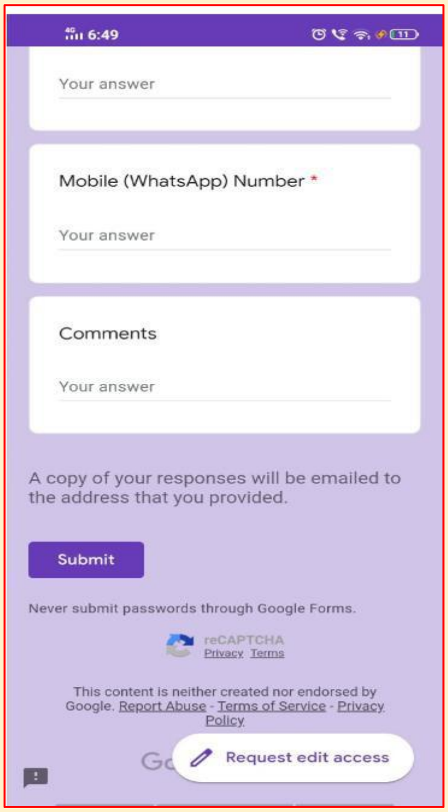

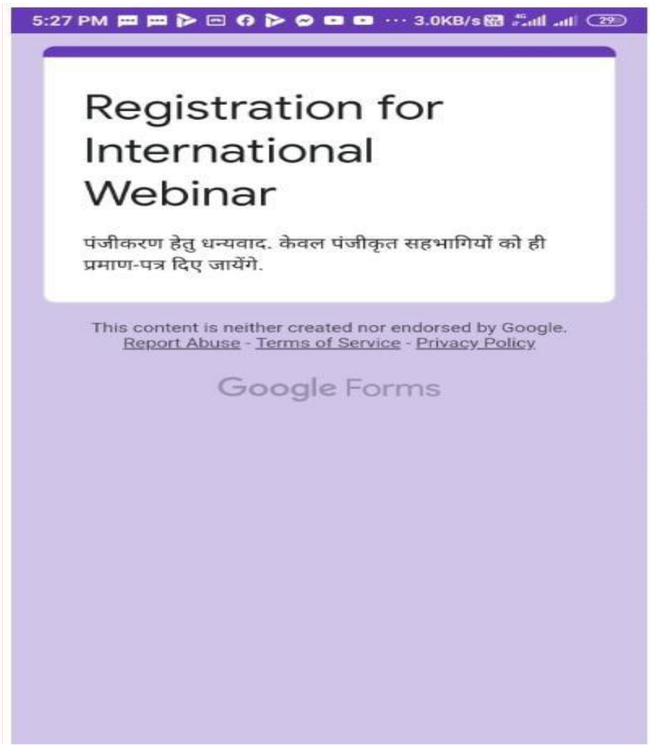

Webinar Contents

- **Principal’s Address**
- **Introduction of Topic**
- **Welcoming of Speakers**
- **Keynote Address**
- **Speaker’s Presentation**
- **Conversation with Participants**
- **Technical Process**
- **Concluding Webinar & Vote of Thanks**
- **Feedback Process and Analysis**
- **E-Certificate**
- **Press Release**
- **Webinar Pictures**

Principal's Address

हमारे महाविद्यालय में समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया' , इस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया जा रहा है।

मैं वेबीनार की आयोजन कमेटी को इस कार्यक्रम के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं साथ ही इस विषय पर चर्चा हेतु सम्मिलित समस्त अतिथि वक्ताओं का मैं स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।

मुझे पूर्ण विश्वास एवं आशा है कि इस चर्चा के माध्यम से हम कोरोना की वैश्विक समस्या के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावो के संदर्भ में कोई व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर पाएंगे ।

Dr. J.N.Verma

Principal

Introduction

वर्तमान में संपूर्ण विश्व वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। महामारी के रोकथाम के उपायों में विगत दो-तीन माह से लगभग सभी देश लॉक डाउन से गुजर रहे हैं, जिससे जनता घरों के अंदर रहने के लिए मजबूर है, फलस्वरूप देश की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों पर विराम लग गया है।

वैज्ञानिकों की तमाम शोध प्रयासों के बावजूद आज तक कोविड-19 के निदान की कोई वैक्सीन या औषधि का अविष्कार नहीं किया गया किया जा सका है,। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि हमें भविष्य में कोविड-19 के साथ ही जीना सीखना होगा, ऐसी विषम परिस्थिति में पेनडेमिक कोविड-19 केवल एक हेल्थ क्राइसिस ही नहीं रहा, वरन इसका गहरा प्रभाव हमारे सामाजिक एवं आर्थिक तंत्र पर भी पड़ रहा है।

विषय की इन्हीं पृष्ठभूमि में आज का यह अंतरराष्ट्रीय वेबीनार आयोजित है, जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विषय के सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर अपने विचार रखे जाएंगे।

इस अवसर पर देश एवं विदेश से उपस्थित हुए विषय विशेषज्ञो को मैं ह्रदय से धन्यवाद देती हूं, और उम्मीद करती हूं की विमर्श पश्चात इस समस्या से उबरने हेतु हम कुछ ठोस सुझावों को प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।

Dr. Shradhda Girolkar

Convener

Welcome of Speakers

हमारे महाविद्यालय द्वारा ‘ सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया’ विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि आज विभिन्न विषयों के विद्वान प्राध्यापक एक साथ एक प्लेटफार्म पर कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी समस्या का भारतीय समाज के विभिन्न पक्षों पर पड़ रहे व्यापक प्रभावों पर गहन विमर्श करने एकत्रित हैं। लॉक डाउन ने देश के विभिन्न सैक्टर्स को प्रभावित किया है, शिक्षा ,स्वास्थ्य, मनोरंजन, रोजगार, उद्योग , पर्यावरण,के अलावा कोई भी ऐसा समाज का पक्ष नहीं है जिस पर इसका व्यापक प्रभाव नहीं पड़ा हो ।

आज विश्व के सभी देश एक ही धरातल पर खड़े हैं चाहे वह विकासशील हो या विकसित देश,। इस आपदा से निकलने के क्या उपाय हैं ,हम किसके साथ चलें किसे अपने साथ रखें किन-किन चीजों से दूरी बनाकर रखें और कब तक ,एक संशय का माहौल संपूर्ण जगत में व्याप्त है किंतु ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता चार चीजों की है धैर्य ,धर्म, मित्र और परिवार, यही हमें इस आपदा से बाहर निकाल सकते हैं ।

यह समय हमारे आत्म नियंत्रण की परीक्षा का समय है। कहा जाता है कि चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया जाए तो यही चुनौती अवसर में बदल सकती है ,मुझे पूर्ण विश्वास है कि आज के इस वेबीनार के माध्यम से हम कुछ ऐसे ही अवसर ढूंढ निकालने में सफल होंगे ।

Dr. Preeti Shrama

Organizing secretory

Key-Note Speaker

Prof Arvind Joshi,

Dept Of Sociology,

Banaras Hindu University,Varanasi.

कोरोनावायरस संक्रमण का पूरे विश्व के सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र कृषि, द्वितीयक क्षेत्र उद्योग धंधे एवं तृतीयक जैसे शिक्षा, वित्त, स्वास्थ्य, टूरिज्म, रियल स्टेट, स्पोर्ट्स ,मीडिया, फूड सेंटर इन सभी क्षेत्रों पर इसका काफी विपरीत असर हुआ है।

साथ ही इसके सामाजिक दुष्प्रभाव भी सामने आए हैं।

भारत की परिवार प्रथा, संयुक्त परिवार प्रथा, सामाजिक संस्कृति एवं संरचना इस महामारी के सामाजिक दुष्प्रभाव से बचने में सहायक हो सकती है। परिवार एवं समाज की एकजुटता से हम इस कोरोना रूपी संकट से अपने समाज के रक्षा कर सकते हैं।

Speaker

Dr. Mahesh Shukla

Professor- Sociology,

Rewa, MP

विषम परिस्थितियां इंसान को अधिक मजबूत बनाती हैं, इससे मानव में अनुकूलन शीलता बढ़ती है साथ ही सामंजस्य क्षमता का भी विकास होता है। हमें भी इस विषम परिस्थिति से अपने विवेक एवं जागरूकता के द्वारा निपटना होगा।

परिवार समाज एवं देश के उत्थान में महिलाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है इनके नेतृत्व क्षमता का लाभ इस समस्या से उबरने के लिए लिया जा सकता है। आज विश्व के कई देश ऐसे हैं जहां महिलाओं के नेतृत्व में इस कोरोना रूपी संकट से पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है अतः भारत में भी हमारे सामाजिक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाकर हम इस समस्या का सामना कर सकते हैं।

Speaker

Dr.Manvendra Singh,

Head-Dept of Sociology,

Gorakpur,University.

करोना ने आज पूरे विश्व को दो भागों में बांट दिया है कोरोना ग्रसित एवं कोरोना संक्रमण से से अपने आप को बचाए हुए । इस महामारी का एक कारण विकास एवं पर्यावरण में असंतुलन भी है मानव एवं प्रकृति के बीच के संबंध की पुनः व्याख्या करना आवश्यक है एवं व्यक्ति को मिनिमाइजेशन की तरफ आना होगा। यद्यपि सरकार ने इस संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए कई उपाय प्रारंभ किए हैं करोड़ों रुपए के विथ पैकेज के साथ साथ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी लिक्विडिटी के विस्तार हेतु अपनी मौद्रिक नीति में परिवर्तन किया गया है। हमें सतत विकास की नीति का अनुसरण करते हुए गांव को केंद्र में रखकर विकास मॉडल बनाना होगा साथ ही सरकार की स्थानीय ता एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना होगा।

Speaker

Dr. Vibha Joshi,

Assoceate Professor- Economics,
Vasanta College For Women,
Rajghat BHU, Varanasi.

कोविड-19 का भारतीय अर्थव्यवस्था एवं संपूर्ण विश्व पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा है। देश में लाक डॉउन के कारण पूरी मांग एवं पूर्ति की चैन बाधित हो चुकी है, जिससे पूरे देश की अर्थव्यवस्था आज मंदी के दौर से गुजर रही है। अर्थव्यवस्था को पुनः विकास के मार्ग पर लाने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ साथ नागरिकों में भी एकजुटता एवं जागरूकता होना आवश्यक है।

इंसान को प्रकृति का शोषण त्यागना होगा एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जागृत करनी होगी। तभी हम अपने अस्तित्व एवं अर्थव्यवस्था को संरक्षित रखने में समर्थ हो पाएंगे।

Speaker

Dr. Ashish Saxena

Head - Dept of Sociology

University of Allahabad

आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी के संक्रमण का भय व्याप्त है सभी स्थानों पर व्यवस्था में भारी बदलाव हुए हैं लोगों के सामाजिक व्यवहार में भी परिवर्तन आया है साथ ही आर्थिक गतिविधियों में भी काफी नियंत्रण हुआ है। लोगों के उपभोग में कमी आई है एवं पूरी अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में हैं।

आज पूरी परिस्थितियां इस ओर संकेत कर रही हैं कि मनुष्य ने विकास की दौड़ में प्रकृति को पीछे छोड़ दिया है अतः अब लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

इंसान को पुनः अपनी सीमित उपभोक्तावादी संस्कृति की ओर लौटना होगा एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाते हुए विकास करना होगा।

Speaker

***Dr.Priyanka Shrivastava*,**
Asst. Prof.- Marketing,
Sant Mary's College of
California,USA.

कोरोना महामारी ने पूरे विश्व के आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में अत्यधिक परिवर्तन ला दिया है। बाजार के स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है, ई -शॉपिंग एवं ऑनलाइन पैटर्न का तेजी से विस्तार हो रहा है।

आज पूरे विश्व की दृष्टि भारत, अमेरिका और चीन के संबंधों की ओर है। भारत की शांतिपूर्ण नीति सहयोग वादी रवैया एवं क्रय शक्ति के कारण वह विश्व में अपनी अच्छी छवि प्रदर्शित कर रहा है, और आशा है कि भारत भविष्य में पूरे विश्व का एक सार्थक नेतृत्व करने में सफल होगा।

Speaker

Dr. Druw Dixit

Associate Professor - Sociology,
Kesarwani College, Jabalpur.

आज इस संकट की घड़ी में परिवार एवं समाज की भूमिका अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। मानव को इसके महत्व को समझना होगा। यदि हम अपने सामाजिक संबंधों को इस विपरीत परिस्थिति में भी मधुर बनाए रख सकते हैं तो निश्चित ही हमारा समाज भी बना रहेगा।

इस संकट से बढ़ने का दायित्व न केवल सरकार का डॉक्टर्स, नर्स, कोरोनावायरस का है वरन हम सभी नागरिकों का या कर्तव्य है कि हम इस संक्रमण से सुरक्षा के लिए समस्त उपायों का अमल करें एवं पुलिस प्रशासन, डॉक्टर, नर्स व सरकार को सहयोग करें। निश्चित ही आपसी सहयोग एवं भाईचारे से हम इस महामारी से अपने देश को बचाने में सफल होंगे।

Conversation with Participants

Dr. Manisha Mahapatra

Professor - Sociology

वैश्विक समस्या कोरोना संक्रमण के सामाजिक आर्थिक प्रभाव के गहन चिंतन हेतु आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार "सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया" मे कार्यक्रम के उपरांत प्रतिभागियों की जिज्ञासा एवं प्रश्नों को प्रस्तुत किया गया एवं विद्वान प्राध्यापक वक्ताओं के द्वारा उनका यथासंभव संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत किया गया।

Name of Participants_-

Dr. Buela lal, Dr K.L.Rrathi, Dr. Seema Mishra, Dr Mahesh chakradhar, Dr Amrendra

मैं समस्त प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

Conversation with Participants

Dr. Anita Dikshit

Asst. Professor- Economics

Some Queries from Participants-

1. Dr. Amarendra to All panelists : Hi Priyanka ji, you dwelt upon in details of Indian Economy challenges an d opportunities in COVID ERA IN DETAIL in general AND OF COMMERCE AND MARKETING IN PARTICULAR. MY QUERY IS THAT HOW DO YOU SEE THE BRAIN DRAIN OF INDIAN TECHNOCRATES AS YOU SAY THEY ARE BEST AND HAVE THE POWER TO GIVR FILIP TO THE DEVELOPMENT OF INDIAN ECONOMY.?

2. Dr.seema mishra : सर शिक्षा में ऑनलाइन टीचिंग के लिए स्थानीय सर्वेक्षण करके उनकी समसयाओं को यदि हम नही समझेंगे तो एक बहुत बड़ा भाग इससे जुड़ नही पायेगा,और ये शुभ संकेत नही होगा,ऐसा मुझे लगता है,तो इसके लिए क्या करना होगा।

3. Dr.seema mishra : क्या अनलॉक पीरियड में विभिन्न देश औद्योगिक विकास की होड़ में संपोषित विकास की ओर ध्यान दे पाएंगे,क्योंकि कोप26 जैसे सम्मेलन को भी स्थगित करना पड़ा है।

मैं समस्त प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

Technical Process

Dr. Dinesh Masta

Assistant Professor- Economics

Covid-19 के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों पर चर्चा के उद्देश्य से एक अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार "सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया" का आयोजन शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय रायपुर के समाज शास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। कार्यक्रम की विवरणिका (Brochure) का डिज़ाइन और वेबिनार का तकनीकी संचालन मेरे द्वारा किया गया. इसके साथ ही कार्यक्रम से पूर्व प्रतिभागियों का पंजीकरण एवं कार्यक्रम के पश्चात सभी प्रतिभागियों फ़ीडबैक लिया जाते हुए उनके ईमेल पते पर प्रमाण-पत्र प्रेषित किया जाना गूगल फॉर्म के माध्यम से मेरे द्वारा स्थापित एक स्वतः संचालित प्रक्रिया रही। तकनीकी रुकावटों का निराकरण व्यक्तिगत रूप से किया गया।

मुझे आशा है कि अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार के इस अनुभव से समस्त प्रतिभागी संतुष्ट होंगे।

Concluding Webinar & Vote of Thanks

Dr. Preeti Kansara

Head of Department-Economics

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय रायपुर के समाजशास्त्र विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 लाइफ इन इंडिया, में उपस्थित हुए समस्त विद्वान वक्ताओं का महाविद्यालय परिवार आभार व्यक्त करता है, साथ ही कार्यक्रम में सम्मिलित हुए समस्त प्रतिभागियों को भी धन्यवाद ज्ञापित करता है।

वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के सामाजिक आर्थिक दुष्प्रभाव को देखते हुए वेबीनार मे उपस्थित वक्ताओं ने कई बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए। परिवार , समाज एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाते हुए इस संकट की घड़ी से उबरा जा सकता है तथा प्रत्येक मनुष्य को विकास एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाना होगा। भारत की आर्थिक - सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए हमें जागरूक होना होगा तथा सरकारी एवं प्रशासनिक व्यवस्था का सहयोग करना होगा।

कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु कार्यक्रम संयोजक -डॉ. श्रद्धा गिरोलकर एवं कार्यक्रम सचिव

डॉ. प्रीति शर्मा को भी मैं बधाई देती हूं ,अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य को धन्यवाद देना चाहूंगी , जिन्होंने कार्यक्रम आयोजन हेतु प्रोत्साहन एवं सहयोग प्रदान किया।

Analysis of Feedback

Total Participants - 250

Feedback Form for International Webinar

Automated response form for E-Certificate

*Required

Email address *

Your email address

Name (as you want in the Certificate) *

Your answer

Institute/Organization Name (Exact spelling as you want in the Certificate) *

Your answer

Did you find the discussion useful? *

- Yes
- No

Were your queries answered adequately? *

- Yes
- No

Would you like to participate in next webinar on currently relevant issues? *

- Yes
- No

Any specific comment/suggestion from you (Pl type below)

Your answer

Send me a copy of my responses.

Q . Did you find the discussion useful-	100% Yes
Q. Were your queries answered adequate -	100 % Yes
Q. Would you like to participate in next Webinar-	90% Yes

Certificate

Govt. D.B. Girls' P.G. (Autonomous) College

Raipur (Chhattisgarh)

Certificate of Participation

presented to

Dr. PREETI KANSARA

Govt. DB. Girls college Raipur, Chhattisgarh

for participating in

INTERNATIONAL WEBINAR

on June 6th, 2020, Saturday

jointly hosted by

Departments of Sociology & Departments of Economics

to discuss

Socio-Economic Impact of Covid-19: Life Ahead in India

Dr. (Mrs) Shradhda Girolkar	Dr. (Mrs) Preeti Sharma	Dr. J.N. Verma, Principal
Convener	**Organizing Secretary**	**Patron**

Press Release

Patrika

पत्रिका

वर्ल्ड इकोनॉमी में चीन, भारत और अमरीका की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी

By: Yagya Singh Thakur | Published: 09 Jun 2020, 01:43 AM IST

प्रोफेसर अरविंद जोशी, समाजशास्त्री, बीएचयू वाराणसी ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज पर कोविड-19 का नकारात्मक और सकारात्मक दोनो प्रभाव पड़ा है। इसका महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है घरेलू हिं

अगला आर्टिकल

पत्रिका

सकारात्मक दोनो प्रभाव पड़ा है। इसका महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है घरेलू हिंसा बढ़ी है। इलाहाबाद विवि के विशेषज्ञ समाजशास्त्री डॉ. आशीष सक्सेना ने कहा कि अब लोगों के व्यवहार में उपभोग की संस्कृति में नियंत्रण आएगा।

रायपुर शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा "सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ़ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया" विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसे महाविद्यालय के समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से आयोजित किया।

संरक्षक प्राचार्य डॉ. जेएन वर्मा, संयोजक समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रद्धा गिरोलकर थीं। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता प्रोफेसर अरविंद जोशी, समाजशास्त्री, बीएचयू वाराणसी ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज पर कोविड-19 का नकारात्मक और सकारात्मक दोनो प्रभाव पड़ा है। इसका महिलाओं पर प्रतिकूल

अगला आर्टिकल

पत्रिका

पड़ा है घरेलू हिंसा बढ़ी है। इलाहाबाद विवि के विशेषज्ञ समाजशास्त्री डॉ. आशीष सक्सेना ने कहा कि अब लोगों के व्यवहार में उपभोग की संस्कृति में नियंत्रण आएगा। बीएचयू वाराणसी से अर्थशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. विभा जोशी ने बताया कि लोगों की आय कम होगी जिससे मांग कम होगी और उत्पादन भी कम होगा। ऐसे में अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है। इसे पटरी पर लाने के लिए हम सबको कोरोना वारियर्स की तरह आगे आना होगा। सेंट मेरी कॉलेज कैलिफोर्निया से मार्केटिंग एक्सपर्ट डॉ प्रियंका श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ल्ड इकोनामी में चीन भारत और अमरीका की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। भारत की क्षमताओं को बताते हुए उन्होंने नए शॉपिंग पैटर्न और ऑनलाइन शॉपिंग पर प्रकाश डाला और बताया कि रिवर्स माइग्रेशन से कृषि अर्थव्यवस्था और स्टार्ट अप पर बुरा प्रभाव पड़ा है। गोरखपुर विवि से समाजशास्त्र के प्रो. डॉ मानवेंद्र सिंह ने कहा कि प्रकृति का जो शोषण हुआ है उसने परिस्थितियों को और बिगाड़ दिया है। आरएस कॉलेज रीवा म.प्र. से समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. महेश शुक्ला ने कहा कि वह देश जहां महिलाओं को अब फ्रंट में लाया गया है यहां समस्या पर शीघ्र नियंत्रण पाया

अगला आर्टिकल

पत्रिका

बताया कि रिवर्स माइग्रेशन से कृषि अर्थव्यवस्था और स्टार्ट अप पर बुरा प्रभाव पड़ा है। गोरखपुर विवि से समाजशास्त्र के प्रो. डॉ मानवेंद्र सिंह ने कहा कि प्रकृति का जो शोषण हुआ है उसने परिस्थितियों को और बिगाड़ दिया है। आरएस कॉलेज रीवा म.प्र. से समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. महेश शुक्ला ने कहा कि वह देश जहां महिलाओं को अब फ्रंट में लाया गया है यहां समस्या पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सकेगा। जबलपुर से समाजशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. ध्रुव दीक्षित ने अर्थव्यवस्था के सभी सेक्टर को साथ मिलकर कार्य करने हेतु कहा तभी भारतीय अर्थव्यवस्था उबर पाएगी। इस वेबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी ऑनलाइन रहे। इसमें डॉ. प्रीति शर्मा प्रोफेसर समाजशास्त्र, डॉ. मनीषा महापात्रा, डॉ. प्रीति कंसारा, डॉ. दिनेश कुमार मस्ता, डॉ. अनिता दीक्षित एवं डॉ. भूपेंद्र आदि भी शामिल रहे।

Press Release

Navbharat

दूधाधारी बजरंग महिला कॉलेज के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता हुए शामिल

कोरोना का नकारात्मक व सकारात्मक प्रभाव दोनों

◆ नवभारत रिपोर्टर । रायपुर.
www.navabharat.org

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा शनिवार को 'सोशियो इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 लाइफ अहेड इन इंडिया' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया. समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त रूप से आयोजित वेबिनार के संरक्षक प्राचार्य डॉक्टर जेएन वर्मा व संयोजक समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रद्धा गिरोलकर थीं. वेबिनार में प्रमुख वक्ता प्रोफेसर अरविंद जोशी समाजशास्त्री बीएचयू वाराणसी ने कहा कि भारतीय समाज पर कोविड-19 का नकारात्मक और सकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ा है. इलाहाबाद विवि से विशेषज्ञ समाजशास्त्री डॉ आशीष सक्सेना ने अपने वक्तव्य में कहा कि अब लोगों के व्यवहार में उपभोग की संस्कृति में नियंत्रण आएगा. बीएचयू वाराणसी से अर्थशास्त्र की प्रोफेसर डॉ विभा जोशी ने बताया कि लोगों की आय कम होगी जिससे मांग कम होगा और उत्पादन भी कम होगा. ऐसे में अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है. सेंट मेरी कॉलेज कैलिफोर्निया से मार्केटिंग एक्सपर्ट डॉ प्रियंका श्रीवास्तव ने कहा कि वर्ल्ड इकोनामी में चीन, भारत और अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी. इस वेबिनार में करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. प्रीति शर्मा प्रोफेसर समाजशास्त्र ने किया. वेबिनार के सह संयोजक डॉ मनीषा महापात्रा, डॉ. प्रीति कंसारा, डॉ. दिनेश कुमार मस्ता, डॉ. अनिता दीक्षित एवं डॉ. भूपेंद्र सेन रहे.

Scanned with CamScanner

Webinar Pictures

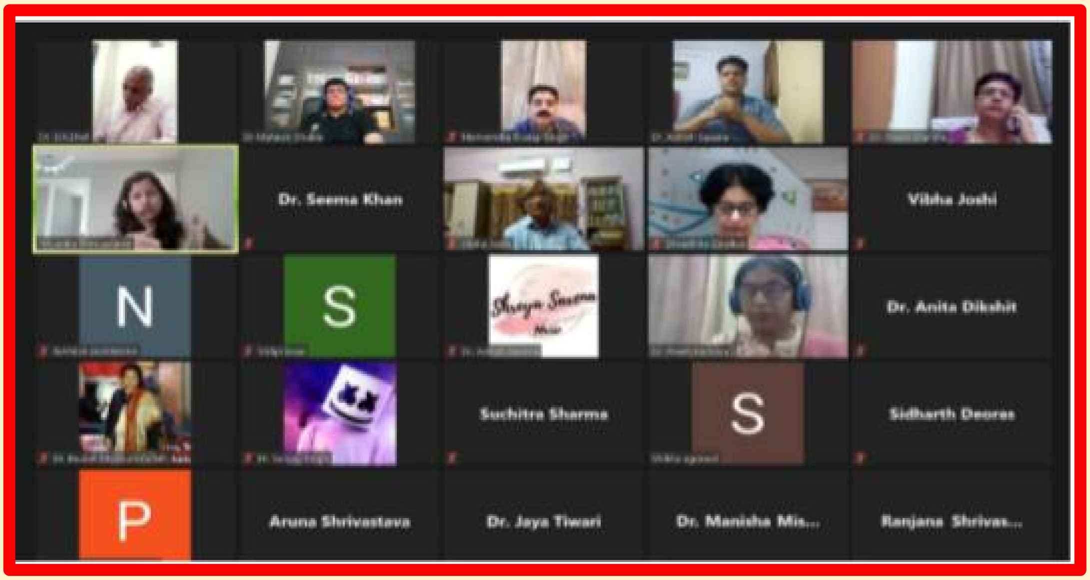

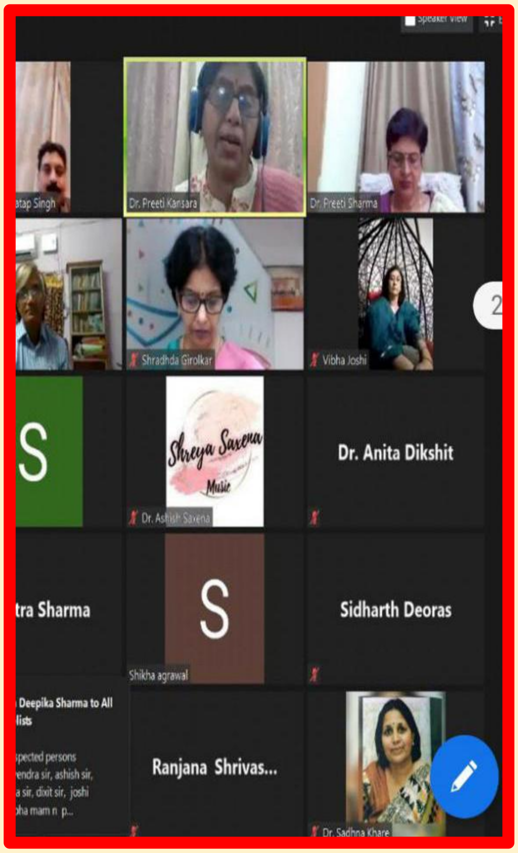

Webinar Pictures

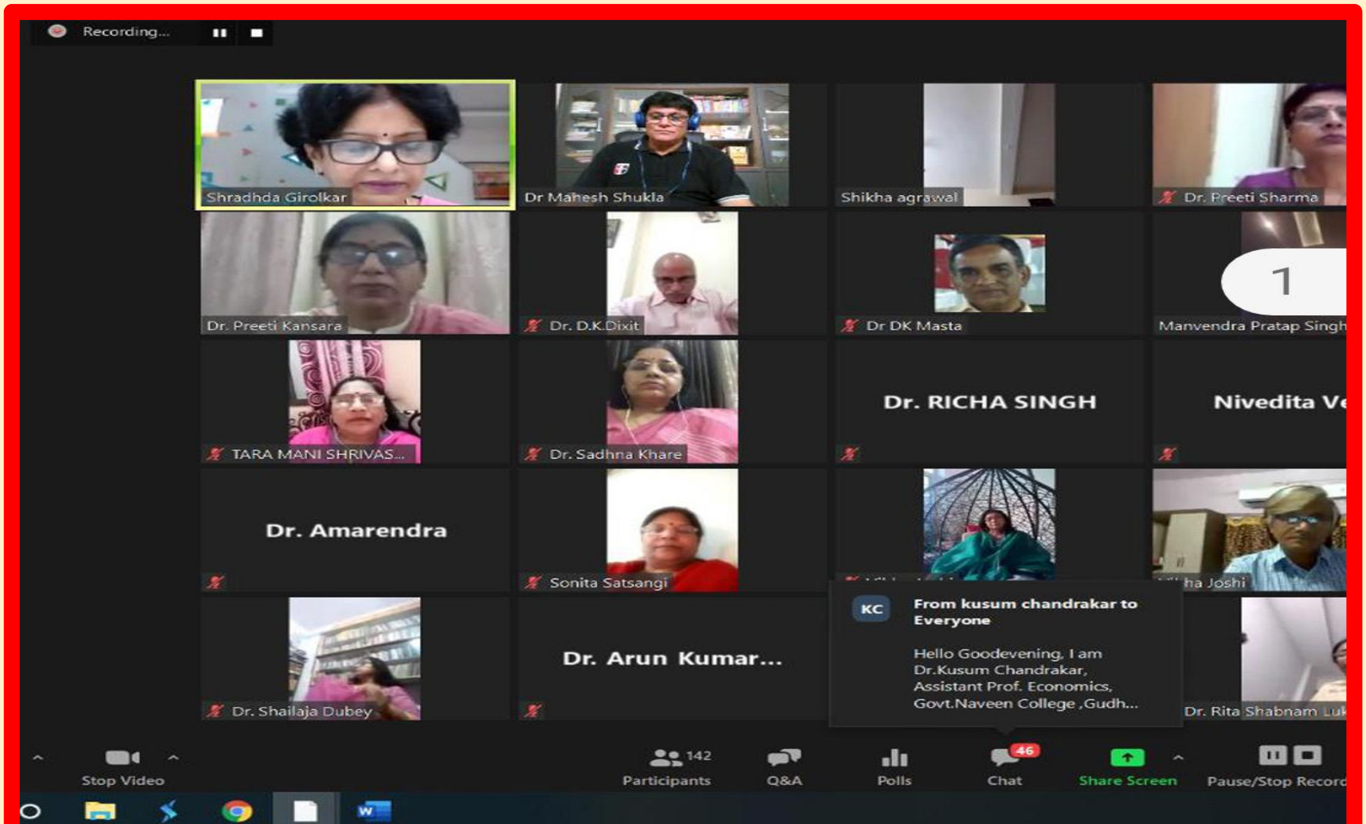

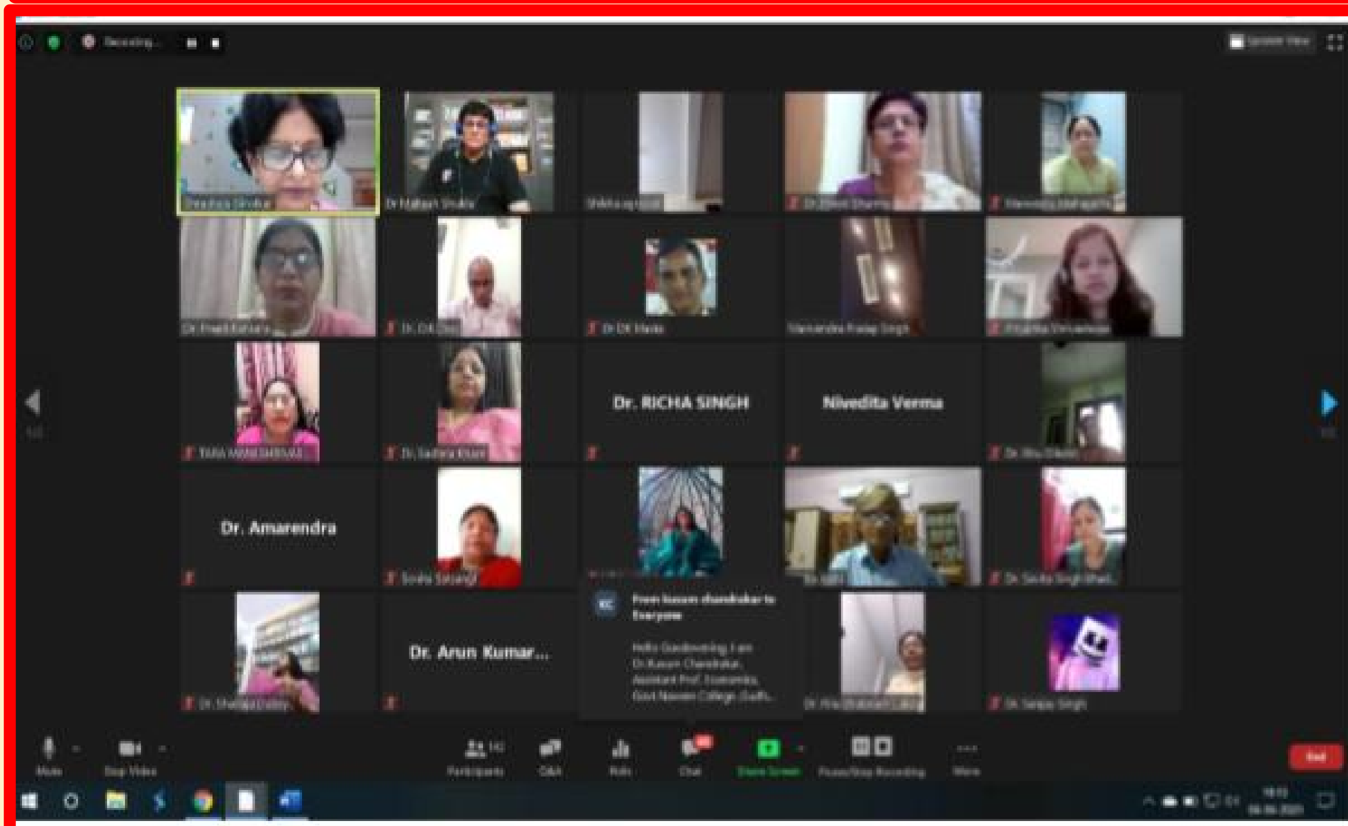

Webinar Pictures

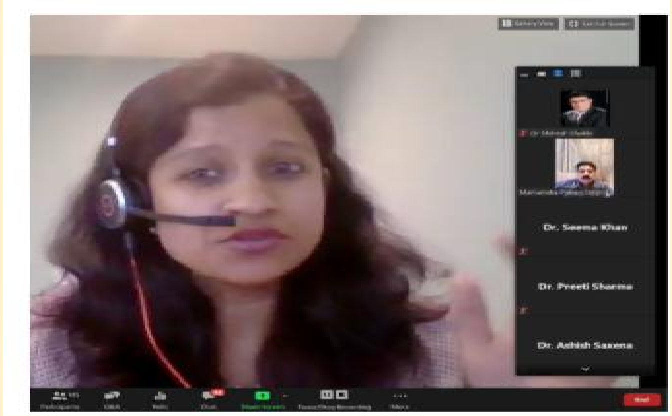

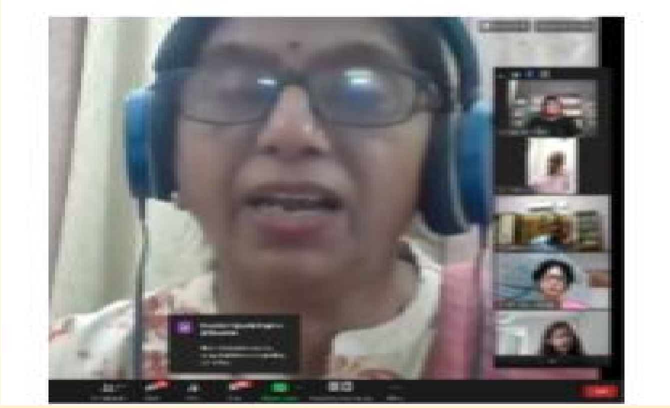

Webinar Pictures

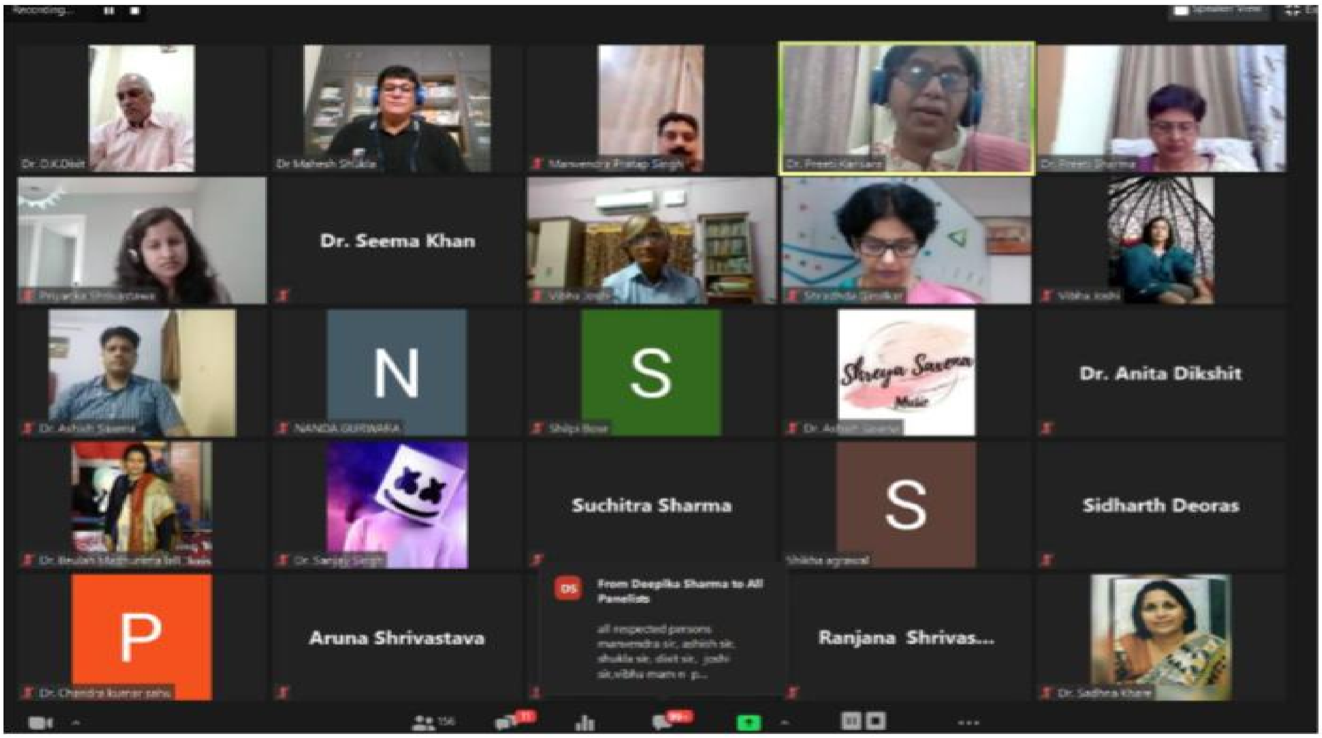

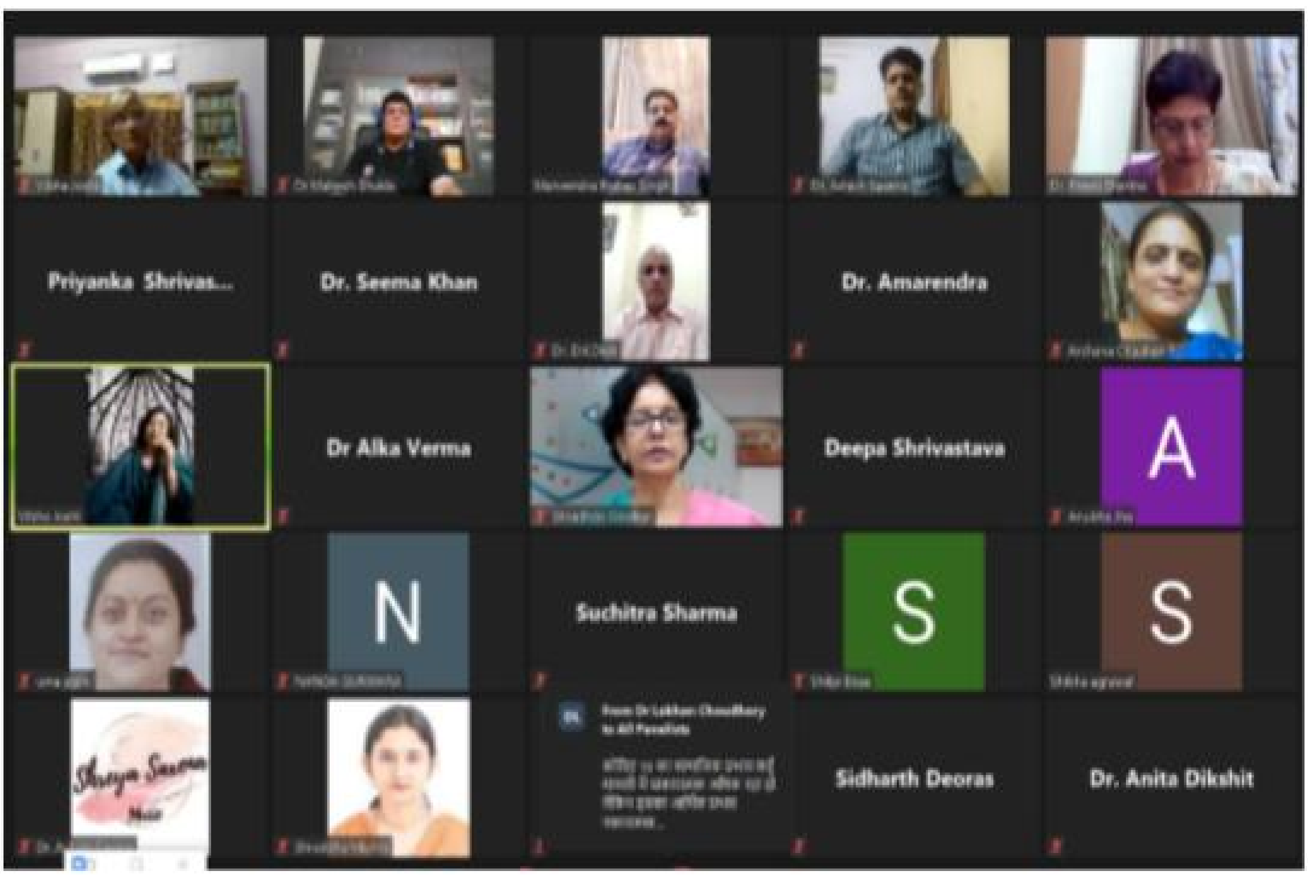

Committee Members

CONVENER

ORGANIZING SECRETORY

CO-CONVENER

CO-CONVENER

CO-CONVENER

CO-CONVENER

CO-CONVENER